## तेरी पुजारन गोगा । By Geetika Kashyap

तेरी पुजारन गोगा द्वार तेरे आयी है तेरी ही भक्ति की बारिश में नहायी है जन्मो जनम तेरी दासी कहलाऊँ उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं

चलती है बाबा तेरी ज़मीं आसमान में जयकारे गूंजे तेरे सारे जहान में सूरज और चाँद सारे तुझमे समाये हैं रेहमत की बारिश भक्तों पे बरसाए हैं जाहरवीर चरणों में ही खो जाऊं उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं

बिगड़े मेरे भी थोड़े बना देना काम जी जपित रहूंगी जाहरवीर तेरा नाम जी नैया मेरी जब गोगा सम्भली ना जाए हम भी तुम्हारे लेना आकर के थाम जी मेडी वाले मैं तेरी जोगन बन जाऊं उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं

खीर चूरमे का गोगा भोग लगाया है दाल प्याज़ और गुलगुले से थाल सजाया है सांपो के देव गोगा इतनी है विनती पार लगाना जो भी दर तेरे आया है ओढ़ा तेरा नाम गोगा तुझको ही ध्याऊँ उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%a4\%e0\%a5\%87\%e0\%a4\%b0\%e0\%a5\%80-\%e0\%a4\%aa\%e0\%a5\%81}{\text{\%e0\%a4\%9c\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%b0\%e0\%a4\%a8-\%e0\%a4\%97\%e0\%a5\%8b\%e0\%a4\%97\%e0\%a4\%be-by-geetika-kashyap-2/}$